NEWSLETTER

शनिवार, 13 जुलाई 2024 | वॉल्यूम - 106

NEWS | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

इस साल के कृषि और व्यापार पर देखा गया प्रत्यक्ष असर, बाजार में कपास की कीमतों में गिरावट, किसानों ने सरकार से मांगी मदद।

GOLD :73285
SILVER : 93136
CRUDE OIL : 6898

इस साल के कृषि और व्यापार पर देखा गया प्रत्यक्ष असर, बाजार में कपास की कीमतों में गिरावट, किसानों ने सरकार से मांगी मदद।

इस साल, देश भर में कपास व्यापारियों को कम कीमतों और निराशाजनक पैदावार के कारण रोपण क्षेत्र में 10-15% की कमी का डर है। यह बदलाव उत्तर भारत में खास तौर पर स्पष्ट है, जहां किसान कपास की जगह धान की खेती कर रहे हैं, जबकि सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) 7,121 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया है। साउथ एशिया बायोटेक्नोलॉजी सेंटर (SABC) के संस्थापक इस बदलाव का श्रेय मुख्य रूप से पिंक बॉलवर्म संक्रमण (PBW) को देते हैं, जो कपास की फसलों को प्रभावित करने वाला एक कुख्यात कीट है।"कृषि विभाग को किसानों में कीट नियंत्रण के बारे में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है।"

फायदे

विकल्पों की कमी : किसानों के पास तुअर, उड़द और अन्य दालों की खेती के बजाय कपास की खेती करने के अलावा ज्यादा विकल्प नहीं हैं, क्योंकि इन फसलों की अपनी समस्याएं हैं।
सरकारी समर्थन : सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) 7,121 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया है, जो किसानों के लिए एक स्थिर आय का स्रोत प्रदान कर सकता है।

नुकसान (Disadvantages)

उच्च उत्पादन लागत : किसानों को उत्पादन लागत में सालाना वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है, विशेषकर श्रम लागत में, जो कपास की खेती को लगभग अव्यवहारिक बना रही है।
कम लाभ : कपास की खेती से मुनाफा कम हो गया है, जो किसानों के लिए चिंता का विषय है।
कीट संक्रमण : पिंक बॉलवर्म संक्रमण (PBW) एक प्रमुख समस्या है, जो कपास की फसलों को प्रभावित कर रहा है। कृषि विभाग को कीट नियंत्रण के बारे में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।
फसलों का प्रतिस्थापन : कई किसानों ने कपास की खेती के बजाय मक्का, दालें और अन्य फसलों की ओर रुख कर लिया है, जिससे कपास की बुआई के क्षेत्रों में कमी आई है।
कम रोपण क्षेत्र : कपास व्यापारियों को कम कीमतों और निराशाजनक पैदावार के कारण रोपण क्षेत्र में 10-15% की कमी का डर है, जो पूरे देश में कपास उत्पादन को प्रभावित कर सकता है।

अच्छी पैदावार के बावजूद, रामनाथपुरम में कपास के किसान अपनी फसल के लिए अनुकूल मूल्य प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पिछले साल और ऑफ-सीजन

दरों की तुलना में कीमतों में 40% से अधिक की गिरावट आई है, जो खुले बाजार में 50 रुपये प्रति किलोग्राम से भी कम है। व्यापारी और किसान दोनों ही घटती मांग से परेशान हैं और राज्य सरकार से सहायता की मांग कर रहे हैं।

रामनाथपुरम में धान के बाद कपास दूसरी सबसे अधिक खेती की जाने वाली फसल है, जिसका क्षेत्रफल 9,000 हेक्टेयर से अधिक है। किसानों द्वारा दूसरे सीजन के लिए कपास की खेती का विकल्प चुनने के कारण क्षेत्रफल में 1,000 हेक्टेयर की वृद्धि देखी गई है। मार्च में शुरू हुआ फसल का मौसम अब अपने अंत के करीब है।

कृषि विपणन विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि वे विनियमित बाजारों के माध्यम से कपास बेचने में किसानों को सहायता प्रदान करते हैं, क्योंकि वर्तमान में अधिकांश कपास खुले बाजारों में बेचा जाता है। बुधवार तक, गुणवत्ता के आधार पर कपास की कीमतें 49 रुपये से 55 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच थीं।

"पिछले साल कपास की कीमतें 70 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक थीं। इस साल कीमतों में भारी गिरावट आई है, जिससे कटाई के मौसम के लिए पर्याप्त श्रमिकों को वहन करना मुश्किल हो गया है, क्योंकि प्रत्येक श्रमिक को प्रतिदिन 250 रुपये से अधिक का भुगतान करना पड़ता है, जिससे किसानों को काफी नुकसान हो रहा है," कपास किसान ने कहा।

"कई कपास मिलें बंद हो गई हैं, और बची हुई कुछ मिलें कपास खरीदने से कतरा रही हैं। हमारे पास पर्याप्त स्टॉक है, लेकिन मिलें इसे खरीदने को तैयार नहीं हैं, जिससे हम वित्तीय संकट में हैं। दूसरे सीजन का कपास घटिया क्वालिटी का है, जिसकी वजह से कीमतें 50 रुपये से नीचे गिर गई हैं। घाटे के बावजूद, हम व्यवसाय में बने रहने के लिए कपास खरीदते हैं," कपास व्यापारी ने कहा।

उन्होंने कहा कि हालांकि केंद्र सरकार ने कपास के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 70 रुपये निर्धारित किया है, लेकिन बाजार मूल्य बहुत कम है। उन्होंने सरकार से किसानों की सहायता के लिए धान की तरह ही कपास को भी एमएसपी पर खरीदने का आग्रह किया।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY CHART 13.07.2024

ICE COTTON			
MONTH	05.07.24	12.07.24	WEEKLY CHANGE
DEC	70.98	71.27	0.29
MAR'25	72.71	73.10	0.39
MAY	74.10	74.47	0.37
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1598	1613	15
NCDEX (COCUD KHAL)			
JULY	2842	2988	146
AUG	2945	3073	128
SEPT	3045	3190	145
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.49	83.54	0.05
PAK (Pakistani Rupee)	277.932	278.555	0.623
CNY (Chinese yuan)	7.26808	7.25002	-0.01806
BRAZIL (Real)	5.46019	5.43090	-0.02929
AUSTRALIAN Dollar	1.48194	1.47462	-0.00732
MALAYSIAN RINGGITS	4.71199	4.66901	-0.04298
COTLOOK "A" INDEX	82.75	81.50	-1.25
BRAZIL COTTON INDEX	76.34	75.56	-0.78
USDA SPOT RATE	60.52	60.53	0.01
MCX SPOT RATE	58060	58000	-60
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18000	18300	300
GOLD ($)	2399.85	2416.10	16.25
SILVER ($)	31.525	31.030	-0.495
CRUDE ($)	83.44	82.18	-1.26

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे मिलाजुला वाला माहौल रहा।

इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के भाव दिसंबर 0.29 सेंट तक गिरे , वही मार्च 0.39 एवं मई 0.37 सेंट तक बढ़े।

NCDEX पर कपास के भाव 15 रूपए प्रति 20 किलो तक बढ़े , वहीं खल के भाव में जुलाई माह 146 रुपए, अगस्त माह 128 रुपए, सितम्बर माह 145 रुपए प्रति क्विंटल तक बढ़त दर्ज की गई।

अन्य देशों कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में गिरावट देखी गई, USDA स्पॉट रेट 0.01 सेंट बढ़ा, MCX स्पॉट में 60 रुपए प्रति कैंडी भाव में गिरावट रही, वही ब्राजील कॉटन इंडेक्स 0.78 गिरा।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91119 77775

STATE	08.07.24	09.07.24	10.07.24	11.07.24	12.07.24	13.07.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	500	500	500	500	500	500
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	500	500	500	500	500	500
GUJRAT	4,000	3,200	3,000	3,200	3,200	3,200
MADHYA PRADESH	200	200	200	200	200	200
MAHARASHTRA	10,000	10,000	9,000	9,000	9,000	9,000
CENTRAL ZONE	14,200	13,400	12,200	12,400	12,400	12,400
KARNATAKA	1,200	1,200	1,000	1,300	1,400	1,000
ANDHRA PRADESH	1,000	1,000	1,500	1,200	1,200	1,000
TELANGANA	300	300	500	300	500	300
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,500	2,500	3,000	2,800	3,100	2,300
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	17,200	16,400	15,700	15,700	16,000	15,200
ARRIVAL IN 170 Kg.						

महाराष्ट्र में रिकॉर्ड बुआई: सोयाबीन, मक्का, कपास और तुअर की फसलों में उछाल

महाराष्ट्र ने बुआई का रिकॉर्ड बनाया: सोयाबीन, मक्का, कपास और अरहर की फसल में वृद्धि

इस साल खरीफ सीजन में महाराष्ट्र में सोयाबीन, मक्का, कपास और तुअर की फसलों की अभूतपूर्व बुआई हुई है। बुधवार, 10 जुलाई तक 11.638 मिलियन हेक्टेयर में बुआई पूरी हो चुकी है, जो औसत खरीफ क्षेत्र का 81.94% है।

बुवाई गतिविधियों में मराठवाड़ा राज्य में सबसे आगे है। कृषि विभाग की रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र में कुल औसत खरीफ क्षेत्र 14.2 मिलियन हेक्टेयर है। 10 जुलाई तक पुणे संभाग ने सबसे अधिक बुआई की है, उसके बाद छत्रपति संभाजीनगर और लातूर संभाग हैं।

विस्तार से, कोंकण संभाग ने 96,870 हेक्टेयर (औसत का 23.42%) बुआई की है, जबकि नासिक संभाग ने 1,657,788 हेक्टेयर (औसत का 80.29%) बुआई की है। पुणे डिवीजन ने 1,084,163 हेक्टेयर के साथ अपने औसत को पार कर लिया है, जो 101.79% तक पहुंच गया है। कोल्हापुर डिवीजन ने 539,103 हेक्टेयर में बुवाई की है, जो अपने औसत का 74.03% हासिल कर चुका है।

छत्रपति संभाजीनगर ने 1,944,826 हेक्टेयर में बुवाई की है, जो औसत का 93.05% हासिल कर चुका है। लातूर डिवीजन ने 2,546,683 हेक्टेयर में बुवाई पूरी कर ली है, जो औसत का 92.04% हासिल कर चुका है। अमरावती डिवीजन में 2,758,446 हेक्टेयर में बुवाई की गई है, जो औसत का 87.32% है। नागपुर डिवीजन ने 1,010,154 हेक्टेयर में बुवाई की है, जो औसत का 52.76% हासिल कर चुका है।

मक्का की बुआई 895,737 हेक्टेयर में 101% और अरहर की बुआई 1,054,406 हेक्टेयर में 81% पर है। उड़द दाल की बुआई 305,069 हेक्टेयर में 82% पर है। सोयाबीन की बुआई 4,487,844 हेक्टेयर में 108% पर है। कपास की बुआई 3,768,214 हेक्टेयर में 90% पर है। कुल मिलाकर अनाज की बुआई 47%, दालों की 75% और तिलहन की 105% पर है।

व्यापक अच्छी बारिश की बदौलत खरीफ सीजन में 10 जुलाई तक रिकॉर्ड बुआई हो चुकी है। अगस्त तक बुआई जारी रहने के साथ, उम्मीद है कि कुल खरीफ बुआई 14.2 मिलियन हेक्टेयर के औसत को पार कर जाएगी। कृषि, विस्तार और विकास निदेशक विनयकुमार अवाटे के अनुसार, पूरे राज्य में खाद और बीज आसानी से उपलब्ध हैं।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

वियतनाम का कपास आयात पहली छमाही में बढ़कर 1.53 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया

जनरल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस के अनुसार, वियतनाम ने इस वर्ष की पहली छमाही में 1.53 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के 766,000 टन कपास का आयात किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में मात्रा में 21.6 प्रतिशत और मूल्य में 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

"सरकार आगामी बजट में एमएसएमई के लिए 45 दिन के भुगतान की आवश्यकता को आसान बना सकती है"

सूत्रों के अनुसार, सरकार बड़े खरीदारों के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को 45 दिनों के भीतर भुगतान करने की आवश्यकता को आसान बनाने पर विचार कर रही है

बढ़ती घरेलू और निर्यात मांग के बीच कपड़ा उद्योग में सुधार देखा जा रहा है

बढ़ती घरेलू मांग और कपास की कम कीमतों के कारण कपास धागे के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण कपड़ा उद्योग में सुधार देखा जा रहा है। अमेरिका और यूरोपीय बाजारों से मांग में मामूली सुधार ने भी इस सुधार में योगदान दिया है।

कपास के किसान श्रम लागत और घटते मुनाफे से जूझ रहे हैं

अकोला के किसानों द्वारा कभी "सफेद सोना" कहे जाने वाले कपास की खेती अब "मजबूरी" की फसल बन गई है। महाराष्ट्र के किसान उच्च उत्पादन लागत और श्रम संबंधी चिंताओं से जूझ रहे हैं, उन्हें कपास की खेती पहले की तुलना में कम लाभदायक लग रही है।

कपड़ा उद्योग ने केंद्रीय बजट 2024-25 में कताई क्षेत्र के लिए मजबूत समर्थन की मांग की

कपड़ा उद्योग वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आगामी केंद्रीय बजट में, विशेष रूप से कताई क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण समर्थन की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा है, जिसे 23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया

इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया।

नार्थ झोन के पंजाब, हरियाणा और अपर राजस्थान में 25 रुपए प्रति मंड तक की बढ़त देखीं गई।

सेंट्रल झोन के मध्यप्रदेश राज्य में 200 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त देखीं गई, जबकि गुजरात, महाराष्ट्र राज्य में स्थिरता रही।

साउथ झोन के तेलंगाना राज्य में 400 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त देखीं गई। जबकि ओड़िशा, कर्णाटक, आँध्रप्रदेश तेलंगाना राज्य में स्थिरता रही।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 13.07.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	08.07.2024		13.07.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,900	5,925	5,925	5,950	25
HARYANA	27.5/28	5,800	5,800	5,825	5,825	25
UPPER RAJASTHAN	28	5,600	5,925	5,625	5,950	25
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	57,000	58,200	56,800	58,200	0
MADHYA PRADESH	29	57,800	58,300	58,000	58,500	200
MAHARASHTRA	29+ vid.	57,500	58,500	58,000	58,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	59,300	59,400	59,300	59,400	0
KARNATAKA	29.5+	58,000	58,200	58,000	58,200	0
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	58,000	59,000	58,500	59,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	59,000	59,500	59,300	59,900	400
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

NEWSLETTER

Saturday, 13 July 2024 | Volume - 106

NEWS | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

Direct impact seen on agriculture and trade this year, fall in cotton prices in the market, farmers seek government help.

GOLD :73285
SILVER : 93136
CRUDE OIL : 6898

Direct impact seen on agriculture and trade this year, fall in cotton prices in the market, farmers seek government help.

This year, cotton traders across the country fear a 10-15% reduction in planting area due to low prices and disappointing yields. This shift is particularly evident in North India, where farmers are growing paddy instead of cotton, even though the government has declared a minimum support price (MSP) of Rs 7,121 per quintal. The founder of South Asia Biotechnology Centre (SABC) attributes this shift mainly to pink bollworm infestation (PBW), a notorious pest affecting cotton crops. "The agriculture department needs to increase awareness about pest control among farmers."

Advantages

Lack of options: Farmers do not have much choice but to grow cotton instead of tur, urad and other pulses, as these crops have their own problems.

Government support: The government has declared a minimum support price (MSP) of Rs 7,121 per quintal, which can provide a stable source of income for farmers.

Disadvantages

High production cost: Farmers are facing an annual increase in production cost, especially in labour cost, which is making cotton cultivation almost unviable.

Low profit: Profits from cotton cultivation have reduced, which is a matter of concern for farmers.

Pest infestation: Pink bollworm infestation (PBW) is a major problem affecting cotton crops. The agriculture department needs to increase awareness about pest control.

Substitution of crops: Many farmers have turned to maize, pulses and other crops instead of cotton cultivation, leading to a decrease in cotton sowing areas.

Low planting area: Cotton traders fear a 10-15% reduction in planting area due to low prices and disappointing yields, which may affect cotton production across the country.

Despite a good yield, cotton farmers in Ramanathapuram are struggling to get favourable prices for their crop. Prices have fallen by more than 40% compared to last year and off-season rates are even lower than Rs 50 per kg in the open market.

Both traders and farmers are upset with the declining demand and are seeking assistance from the state government.

Cotton is the second most cultivated crop after paddy in Ramanathapuram, with an area of over 9,000 hectares. The area has seen an increase of 1,000 hectares as farmers opted to cultivate cotton for the second season. The crop season, which began in March, is now nearing its end.

Agricultural marketing department officials have said that they provide assistance to farmers in selling cotton through regulated markets, as most of the cotton is currently sold in open markets. As of Wednesday, cotton prices ranged between Rs 49 and Rs 55 per kg, depending on the quality.

"Last year, cotton prices ranged from Rs 70 to Rs 100 per kg. This year, prices have fallen drastically, making it difficult to afford enough workers for the harvesting season, as each worker has to be paid more than Rs 250 per day, causing huge losses to farmers," the cotton farmer said.

"Many cotton mills have shut down, and the few mills that remain are reluctant to buy cotton. We have enough stock, but mills are not willing to buy it, putting us in a financial crisis. The second season's cotton is of poor quality, which has caused prices to fall below Rs 50. Despite losses, we buy cotton to stay in business," the cotton trader said.

He said that though the central government has fixed the minimum support price (MSP) for cotton at Rs 70, the market price is much lower. He urged the government to buy cotton at MSP like paddy to help farmers.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 WEEKLY CHART 13.07.2024			
ICE COTTON			
MONTH	05.07.24	12.07.24	WEEKLY CHANGE
DEC	70.98	71.27	0.29
MAR'25	72.71	73.10	0.39
MAY	74.10	74.47	0.37
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1598	1613	15
NCDEX (COCUD KHAL)			
JULY	2842	2988	146
AUG	2945	3073	128
SEPT	3045	3190	145
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91119 77775**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.49	83.54	0.05
PAK (Pakistani Rupee)	277.932	278.555	0.623
CNY (Chinese yuan)	7.26808	7.25002	-0.01806
BRAZIL (Real)	5.46019	5.43090	-0.02929
AUSTRALIAN Dollar	1.48194	1.47462	-0.00732
MALAYSIAN RINGGITS	4.71199	4.66901	-0.04298
COTLOOK "A" INDEX	82.75	81.50	-1.25
BRAZIL COTTON INDEX	76.34	75.56	-0.78
USDA SPOT RATE	60.52	60.53	0.01
MCX SPOT RATE	58060	58000	-60
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18000	18300	300
GOLD ($)	2399.85	2416.10	16.25
SILVER ($)	31.525	31.030	-0.495
CRUDE ($)	83.44	82.18	-1.26

This week, the international market witnessed a mixed trend.

The International Cotton Exchange prices fell by 0.29 cents in December, while those in March and May rose by 0.39 cents and 0.37 cents respectively.

The price of cotton increased by Rs. 15 per 20 kg on NCDEX, while the price of oil cake increased by Rs. 146 in July, Rs. 128 in August and Rs. 145 per quintal in September.

If we look at the cotton market of other countries, a decline was observed in the Cotlook "A" index, USDA spot rate increased by 0.01 cents, MCX spot prices fell by Rs. 60 per candy, while the Brazil cotton index fell by 0.78 cents.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91119 77775						
STATE	08.07.24	09.07.24	10.07.24	11.07.24	12.07.24	13.07.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	500	500	500	500	500	500
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	500	500	500	500	500	500
GUJRAT	4,000	3,200	3,000	3,200	3,200	3,200
MADHYA PRADESH	200	200	200	200	200	200
MAHARASHTRA	10,000	10,000	9,000	9,000	9,000	9,000
CENTRAL ZONE	14,200	13,400	12,200	12,400	12,400	12,400
KARNATAKA	1,200	1,200	1,000	1,300	1,400	1,000
ANDHRA PRADESH	1,000	1,000	1,500	1,200	1,200	1,000
TELANGANA	300	300	500	300	500	300
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,500	2,500	3,000	2,800	3,100	2,300
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	17,200	16,400	15,700	15,700	16,000	15,200
ARRIVAL IN 170 Kg.						

Record Sowing in Maharashtra: Soybean, Maize, Cotton, and Tur Crops Surge

Maharashtra Sets Record for Sowing: Soybean, Maize, Cotton, and Tur Crops Increase

This year's Kharif season has seen unprecedented sowing of soybean, maize, cotton, and tur crops in Maharashtra. As of Wednesday, July 10, sowing has been completed on 11.638 million hectares, accounting for 81.94% of the average Kharif area.

Marathwada leads the state in sowing activities. The Agriculture Department reports that the total average Kharif area in Maharashtra is 14.2 million hectares. By July 10, the Pune division has achieved the highest sowing, followed by the Chhatrapati Sambhajinagar and Latur divisions.

In detail, the Konkan division has sown 96,870 hectares (23.42% of the average), while the Nashik division has sown 1,657,788 hectares (80.29% of the average). The Pune division has surpassed its average with 1,084,163 hectares, reaching 101.79%. The Kolhapur division has sown 539,103 hectares, achieving 74.03% of its average.

Chhatrapati Sambhajinagar has sown 1,944,826 hectares, reaching 93.05% of the average. The Latur division has completed sowing on 2,546,683 hectares, achieving 92.04% of the average. In the Amravati division, 2,758,446 hectares have been sown, which is 87.32% of the average. The Nagpur division has sown 1,010,154 hectares, reaching 52.76% of the average.

Maize sowing has reached 101% with 895,737 hectares, and tur sowing stands at 81% with 1,054,406 hectares. Urad dal sowing is at 82% with 305,069 hectares. Soybean sowing has achieved 108% with 4,487,844 hectares. Cotton sowing is at 90% with 3,768,214 hectares. Overall, grain sowing is at 47%, pulses at 75%, and oilseeds at 105%.

Thanks to widespread good rainfall, record sowing has been achieved by July 10 in the Kharif season. With sowing continuing through August, it is expected that total Kharif sowing will exceed the average of 14.2 million hectares. Fertilizers and seeds are readily available across the state, according to Vinaykumar Awate, Director of Agriculture, Extension, and Development.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Vietnam's cotton imports rise to US$1.53 billion in first half

According to the General Statistics Office, Vietnam imported 766,000 tonnes of cotton worth US$1.53 billion in the first half of this year, representing a 21.6 percent increase in volume and 9 percent in value compared to the same period last year.

"Government may ease 45-day payment requirement for MSMEs in upcoming budget"

According to sources, the government is considering easing the requirement for large buyers to pay micro, small and medium enterprises (MSMEs) within 45 days

Textile industry sees recovery amid rising domestic and export demand

The textile industry is seeing recovery, with cotton yarn exports rising due to rising domestic demand and low cotton prices. A slight improvement in demand from the US and European markets has also contributed to this recovery.

Cotton farmers grapple with labour costs and dwindling profits

Cotton, once called “white gold” by farmers in Akola, has now become a crop of “compulsion”. Farmers in Maharashtra, grappling with high production costs and labour concerns, are finding cotton farming less profitable than before.

Textiles industry seeks strong support for spinning sector in Union Budget 2024-25

The textiles industry is eagerly awaiting significant support, especially for the spinning sector, in the upcoming Union Budget for FY 2024-25, to be presented by Finance Minister Nirmala Sitharaman on July 23.

This week, the cotton market witnessed a Bullish trend

This week, the cotton market witnessed a bullish trend.

North Zone states of Punjab, Haryana and Upper Rajasthan witnessed a rise of up to Rs. 25 per candy.

Central Zone states of Madhya Pradesh witnessed a rise of Rs. 200 per candy, while Gujarat and Maharashtra remained stable.

South Zone states of Telangana witnessed a rise of Rs. 400 per candy, while Odisha, Karnataka, Andhra Pradesh and Telangana remained stable.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 13.07.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	08.07.2024		13.07.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,900	5,925	5,925	5,950	25
HARYANA	27.5/28	5,800	5,800	5,825	5,825	25
UPPER RAJASTHAN	28	5,600	5,925	5,625	5,950	25
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	57,000	58,200	56,800	58,200	0
MADHYA PRADESH	29	57,800	58,300	58,000	58,500	200
MAHARASHTRA	29+ vid.	57,500	58,500	58,000	58,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	59,300	59,400	59,300	59,400	0
KARNATAKA	29.5+	58,000	58,200	58,000	58,200	0
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	58,000	59,000	58,500	59,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	59,000	59,500	59,300	59,900	400

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

Download Our App “SIS CONNECT” For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775